REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 3 | DECEMBER - 2018

हरदोई जनपद में विपणन केन्द्रों की गम्यता

डॉ. अमित कनौजिया[1] , अमित सचान[2]
[1]स.अ., बेसिक शिक्षा, जनपद– कन्नौज.
[2]एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग,
पं.सुन्दरलाल मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कन्नौज

प्रस्तावना :

मानव अपने आप को भूतल से समायोजित कर अपना जीवन यापन करता है। वह न केवल अपने अस्तित्व को बनाए रखता है बल्कि अपनी सभी प्रकार की क्रियाओं को स्थान विशेष में सम्पादित करता है और इस प्रक्रिया में वह स्वयं गतिशील रहता है तथा अपनी क्रियाओं को भूतल पर विस्तरित करता रहता है। मानव और उससे जुड़ी वस्तुओं की गतिशीलता या गति की आवश्यकता मानव के प्रत्येक समाज को होती है। साँस्कृतिक विकास की प्रक्रिया ने मानव के व्यावसायिक विशिष्टीकरण को बढ़ा दिया है परिणामस्वरूप स्थानिक अंतःक्रिया की तीव्रता समाज में बढ़ी है।

प्रस्तुत शोध पत्र में विपणन केन्द्रों की गम्यता की मात्रा मापने एवं विश्लेषित करने का प्रयास किया गया है। यह विश्लेषण उन स्थानों पर प्रकाश डालेगा जिनका कि भविष्य अच्छा है साथ ही उन छोटे स्थानों की ओर भी इंगित करेगा जहाँ यदि थोड़ा सा परिमार्जन किया जाए तो वे क्षेत्र के लिए विशेष लाभकारी सिद्ध होंगें।

अध्ययन क्षेत्र–

भारतवर्ष के हृदय स्थल उत्तर प्रदेश राज्य में गंगा व गोमती नदियों के मध्यवर्ती दोआब में हरदोई जनपद स्थित है। जनपद का अक्षांशीय विस्तार 26^0 53′ उत्तर से 27^0 47′ उत्तरी अक्षांशों तक तथा देशान्तरीय विस्तार 79^0 41′ पूर्व से 80^0 49′ पूर्वी देशान्तरों के मध्य है। हरदोई जनपद के उत्तर में शाहजहाँपुर व लखीमपुर खीरी जनपद, पूर्व में सीतापुर जनपद, दक्षिण-पूर्व में लखनऊ जनपद, दक्षिण में उन्नाव व कानपुर नगर जनपद दक्षिण-पश्चिम में कन्नौज जनपद व पश्चिम में फर्रूखाबाद जनपद स्थित है। जनपद की पूर्वी सीमा गोमती नदी द्वारा निर्धारित होती है जो हरदोई व सीतापुर जनपद के मध्य सीमा रेखा का निर्धारण करती है एवं गंगा नदी जनपद की दक्षिण-पश्चिमी सीमा का निर्धारण करती है। हरदोई जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 5986.00 वर्ग कि0मी0 है। जनपद का क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश में तीसरा स्थान है तथा प्रदेश की कुल भूमि का 2.48 प्रतिशत क्षेत्र जनपद के अन्तर्गत आता है। जनसंख्या की दृष्टि से जनपद का प्रदेश में बारहवाँ स्थान है तथा प्रदेश की कुल जनसंख्या का 2.04 प्रतिशत यहाँ निवास करती है। जनपद की लम्बाई उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पूर्व तक 126 कि0मी0 और पूर्व से पश्चिम तक चौड़ाई 74 कि0मी0 है (Fig. 1)।

LBP PUBLICATION

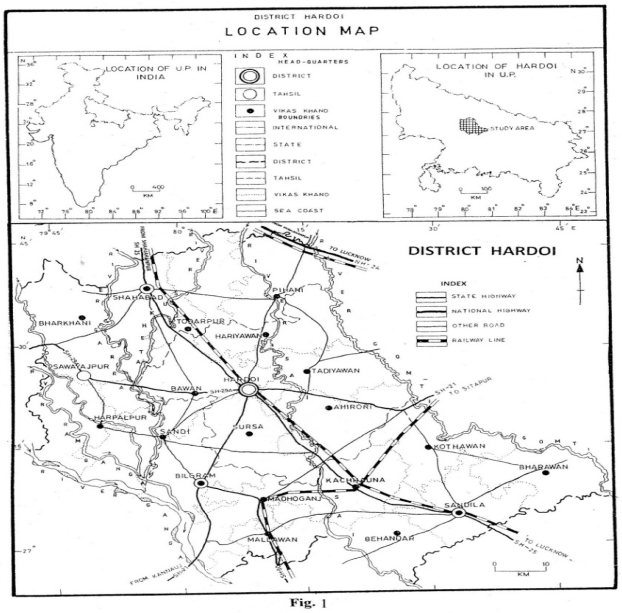

Fig. 1

अध्ययन क्षेत्र हरदोई जनपद को 5 तहसीलें शाहाबाद, सवायजपुर, हरदोई, बिलग्राम एवं सण्डीला है। यहाँ 19 विकास खण्ड शाहाबाद, टोडरपुर, पिहानी, हरियावाँ, टडियावाँ, सुरसा, अहिरोरी, बावन, भरखनी, हरपालपुर, साण्डी, बिलग्राम, माधौगंज, मल्लावाँ, कछौना, कोथावाँ, भरावन, सण्डीला, एवं बेंहदर हैं। 2001 की जिला जनगणना पुस्तिका के अनुसार हरदोई जनपद का कुल क्षेत्रफल 5986.00 वर्ग कि0मी0 है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रफल 5892.76 वर्ग कि0मी0 और नगरीय क्षेत्रफल 93.24 वर्ग कि0मी0 है। 2001 की जनगणना के अनुसार हरदोई जनपद में 13 नगर एवं 01 जनगणना नगर (सोम) है इनमें हरदोई, शाहाबाद, सण्डीला, मल्लावां, पिहानी, बिलग्राम व साण्डी नगर पालिका परिषद तथा पाली, कछौना पतसेनी, गोपामऊ, माधौगंज, बेनीगंज व कुरसठ नगर पंचायत के अन्तर्गत आते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 4092845, जनघनत्व 684, लिंगानुपात 868 व साक्षरता 64.6 प्रतिशत है ।

गम्यता :

गम्यता शब्द का प्रयोग विभिन्न स्थानों में विभिन्न प्रकार से किया जाता है। यह शब्द मूल रूप से न्यूनतम संचलन की संकल्पना से जुड़ा हुआ है। हेमण्ड एवं मैकगुलग ने अपने अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि गम्यता एक तुलनात्मक संकल्पना है जो कि स्थिति विशेष एवं परिवहन के प्रकार पर निर्भर करती है। प्रस्तुत अध्ययन में गम्यता को किसी स्थान विशेष में अन्य स्थानों से पहुँचने की सुगमता की तुलनात्मक मात्रा के रूप में प्रयुक्त किया गया है। गम्यता का मापन निम्नलिखित बिन्दुओं के संदर्भ में किया गया है–

1. पक्की सडकों से भौतिक दूरी जिसे भौतिक गम्यता के नाम से जाना जाता है,
2. प्रादेशिक विपणन केन्द्र तथा अन्य विपणन केन्द्रों के मध्य यात्रा, समय, दूरी जिसे तुलनात्मक गम्यता के रूप में लिया गया है। वास्तविक मार्गों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति के आधार पर किसी सन्धि स्थल पर अन्य सन्धि स्थलों से पहुँच, जिसे सन्धि स्थल गम्यता के नाम से प्रस्तुत किया गया।

1. भौतिक गम्यता :

इसका मापन पक्की सड़कों से भौतिक दूरी के रूप में किया गया है। इसके लिए पक्के मार्गों के समानान्तर 3 कि0मी0 एवं 5 कि0मी0 पर समदूरी रेखाएं खीची गई हैं। भौतिक गम्यता का परिकलन सारणी क्रमांक 1 में दिया गया है। जिससे स्पष्ट होता है कि शाहाबाद, पिहानी, सुरसा, बावन, माधौगंज, कछौना, सण्डीला आदि विकास खण्डों के समस्त विपणन केन्द्र सड़क पर ही स्थित हैं। हरियावाँ, साण्डी तथा बिलग्राम विकास खण्डों में कुछ विपणन केन्द्र पक्के सड़क मार्गों से 5 किलोमीटर से अधिक दूरी पर अवस्थित हैं। इस

प्रकार Fig. 2 से स्पष्ट है कि 90.23 प्रतिशत विपणन केन्द्र पक्के सड़क मार्गों पर स्थित हैं जबकि 5.5 प्रतिशत विपणन केन्द्र पक्के सड़क मार्गों से 3 किलोमीटर की भौतिक दूरी पर स्थित हैं। शेष विपणन केन्द्र पक्के सड़क मार्गों से 3 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर स्थित हैं।

सारणी क्रमांक– 1

जनपद हरदोई : विपणन केन्द्रों की भौतिक गम्यता (% में)

क्र. सं.	विकास खण्ड	सड़क मार्ग पर	3 कि. मी. से कम	3 से 5 कि. मी.	5 कि. मी. से अधिक	विपणन केन्द्रों की संख्या
1	शाहाबाद	100.00	–	–	–	12
2	टोडरपुर	95.65	4.35	–	–	23
3	पिहानी	100.00	–	–	–	19
4	हरियावाँ	81.82	9.09	–	9.09	22
5	टड़ियावाँ	91.30	8.70	–	–	23
6	सुरसा	100.00	–	–	–	22
7	अहिरोरी	91.30	4.35	4.35	–	23
8	बावन	100.00	–	–	–	19
9	भरखनी	80.00	13.33	6.67	–	15
10	हरपालपुर	72.73	–	27.27	–	11
11	साण्डी	80.00	10.00	–	10.00	10
12	बिलग्राम	83.34	8.33	–	8.33	12
13	माधौगंज	100.00	–	–	–	11
14	मल्लावाँ	70.00	20.00	10.00	–	10
15	कछौना	100.00	–	–	–	08
16	कोथावाँ	85.72	7.14	7.14	–	14
17	भरावन	73.68	15.79	10.53	–	19
18	सण्डीला	100.00	–	–	–	13
19	बेंहदर	95.24	–	–	–	21
योग		–	–	–	–	–

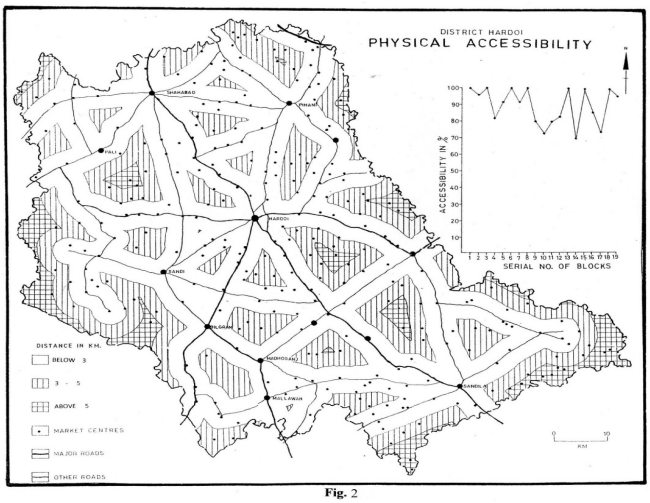

Fig. 2

LBP PUBLICATION

2. सापेक्षिक गम्यता :

गम्यता का मापन हरदोई विपणन केन्द्र के सापेक्ष अन्य विपणन केन्द्रों में यात्रा, समय व दूरी के संदर्भ में किया गया है। इस प्रकार के मापन हेतु समकालिक मानचित्र तैयार किया गया है जो कि हरदोई विपणन केन्द्र से अन्य क्षेत्रीय विपणन केन्द्रों में पहुँचने में लगे यात्रा समय पर आधारित है। जैसा कि Fig. 3 में स्पष्ट है कि हरदोई जिले का मध्य भाग जो कि हरदोई से समीपता प्रदर्शित करता है, लाभप्रद स्थित में है। जिले के मध्य में स्थित अधिकतर विपणन केन्द्र हरदोई विपणन केन्द्र से 2 घण्टे की समय दूरी पर अवस्थित हैं।

सारणी क्रमांक 2 में विकास खण्ड स्तर पर विभिन्न विपणन केन्द्रों का समय दूरी परिकलन किया गया है, जिसको देखने से स्पष्ट होता है कि हरियावाँ, टड़ियावाँ, सुरसा, अहिरोरी एवं बावन विकास खण्ड समय दूरी (2–3 घण्टे) के आधार पर हरदोई विपणन केन्द्र से सापेक्षिक समीपता प्रदर्शित करते हैं जबकि मल्लावाँ, कछौना, कोथावाँ तथा सण्डीला विकास खण्ड के विपणन केन्द्र हरदोई विपणन केन्द्र से 3–4 घण्टे की समय दूरी प्रदर्शित करते हैं। भरावन विकास खण्ड में अवस्थित सभी विपणन केन्द्रों की सापेक्षिक गम्यता अत्यधिक निम्न है। इस विकास खण्ड में अवस्थित सभी विपणन केन्द्र हरदोई विपणन केन्द्र से 4 घण्टे से अधिक समय दूरी पर अवस्थित हैं। बेंहदर विकास खण्ड के भी अधिकांश विपणन केन्द्र 4 घण्टे से अधिक समय दूरी पर अवस्थित हैं जबकि भरखनी, टोडरपुर, पिहानी, हरपालपुर, साण्डी, माधौगंज एवं मल्लावाँ के कुछ विपणन केन्द्र 4 घण्टें से अधिक की समय दूरी पर अवस्थित हैं (Fig. 3)।

सारणी क्रमांक– 2
जनपद हरदोई : विपणन केन्द्रों की सापेक्षिक गम्यता

क्र. सं.	विकास खण्ड	विपणन केन्द्रों की संख्या					
		1 घण्टे से कम	1 से 2 घण्टे	2 से 3 घण्टे	3 से 4 घण्टे	4 घण्टे से अधिक	योग
1	शाहाबाद	–	01	07	04	–	12
2	टोडरपुर	–	03	07	10	03	23
3	पिहानी	–	–	06	08	05	19
4	हरियावाँ	02	05	12	03	–	22
5	टड़ियावाँ	06	07	06	04	–	23
6	सुरसा	09	05	08	–	–	22
7	अहिरोरी	03	13	07	–	–	23
8	बावन	06	07	06	–	–	19
9	भरखनी	–	–	03	08	04	15
10	हरपालपुर	–	–	01	05	05	11
11	साण्डी	–	03	02	05	–	10
12	बिलग्राम	–	03	09	–	–	12
13	माधौगंज	–	–	03	08	–	11
14	मल्लावाँ	–	–	–	05	05	10
15	कछौना	–	–	02	05	01	08
16	कोथावाँ	–	–	01	07	06	14
17	भरावन	–	–	–	–	19	19
18	सण्डीला	–	–	–	04	09	13
19	बेंहदर	–	–	–	03	18	21
योग		**26**	**47**	**80**	**79**	**75**	**307**

LBP PUBLICATION

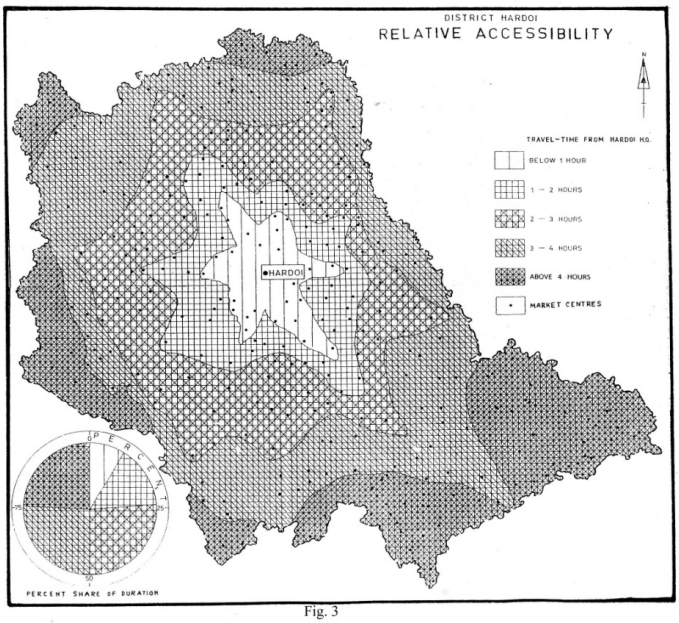

Fig. 3

3. नाभिक (Nodel) गम्यता :

किसी विपणन केन्द्र की गम्यता का मापन इस आधार पर किया गया है कि किसी केन्द्र के लिए अन्य केन्द्रों से पहुँच किस प्रकार की है। इसका मापन सम्बद्धता संख्या के आधार पर किया गया है।

सम्बद्धता संख्या :

सम्बद्धता संख्या या कोनिंग सूचकांक एक प्रकार का संकेतक है जो कि सूचित करता है कि कोई केन्द्र परिपथ से किस प्रकार जुड़ा हुआ है। सम्बद्धता संख्या की गणना प्रत्येक बिन्दु के लिए अधिकतम दूरी के आधार पर की गयी है। यहाँ पर यह स्मरणीय है कि दूरी, दो बिन्दुओं के बीच लघुतम परिपथ में पाये जाने वाले किनारों की संख्या के रूप में परिभाषित की गयी है। लालपुर, अंटवा एवं अहिरोरी विपणन केन्द्रों की गम्यता अच्छी है जबकि चेना, बरूआरा एवं महीठा विपणन केन्द्रों की गम्यता अपर्याप्त है। विपणन केन्द्र हरदोई गम्यता में अग्रणी स्थान रखता है।

सारणी क्रमांक 3 में विकास खण्डवार सम्बद्धता संख्या को दर्शाया गया है। सम्बद्धता संख्या को 3 वर्गों – 25 से कम, 25–30 एवं 30 से अधिक, में वर्गीकृत किया गया है। 25 से कम सम्बद्धता वाले विपणन केन्द्रों की संख्या न्यून (78) है जबकि 25–30 सम्बद्धता संख्या वर्ग में विपणन केन्द्र सर्वाधिक (128) हैं, 30 से अधिक सम्बद्धता संख्या वाले विपणन केन्द्रों की संख्या 101 है। सारणी क्रमांक 3 को देखने से स्पष्ट होता है कि टड़ियावाँ, सुरसा एवं अहिरोरी विकास खण्डों में गम्यता बेहतर है जिसका प्रमुख कारण है कि ये विकास खण्ड, हरदोई विपणन केन्द्र के निकटवर्ती भागों में स्थित हैं जबकि टोडरपुर, पिहानी, भरखनी, हरपालपुर, साण्डी, भरावन एवं बेंहदर विकास खण्डों में गम्यता अपर्याप्त है क्योंकि यह विकास खण्ड अध्ययन क्षेत्र के परिधीय भागों में स्थित हैं।

सारणी क्रमांक– 3

जनपद हरदोई : विपणन केन्द्रों की नाभिकीय (Nodel) गम्यता

क्र. सं.	विकास खण्ड	सम्बद्धता संख्या			विपणन केन्द्रों की संख्या
		25 से कम	25–30	30 से अधिक	
1	शाहाबाद	–	05	07	12
2	टोडरपुर	01	06	16	23
3	पिहानी	–	05	14	19

4	हरियावाँ	01	19	02	22
5	टड़ियावाँ	18	05	—	23
6	सुरसा	17	05	—	22
7	अहिरोरी	20	03	—	23
8	बावन	06	13	—	19
9	भरखनी	—	—	15	15
10	हरपालपुर	—	05	06	11
11	साण्डी	—	02	08	10
12	बिलग्राम	03	07	02	12
13	माधौगंज	02	07	02	11
14	मल्लावाँ	02	05	03	10
15	कछौना	03	05	—	08
16	कोथावाँ	02	10	02	14
17	भरावन	—	07	12	19
18	सण्डीला	03	05	05	13
19	बेंहदर	—	14	07	21
योग		**78**	**128**	**101**	**307**

इस प्रकार उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि जनपद में विपणन केन्द्रों की गम्यता सामान्यतः निम्न कोटि की है। गम्यता की संकल्पना सापेक्षिक है जिसका मापन भौतिक गम्यता, सापेक्षिक गम्यता एवं नाभिक गम्यता के रूप में किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में सापेक्षिक अभिगम्यता का अध्ययन स्पष्ट करता है कि क्षेत्र के प्रधान विपणन केन्द्र हरदोई से एक घण्टे से कम समय दूरी पर 26, 1 से 2 घण्टे की समय दूरी पर 47, 2 से 3 घण्टे की समय दूरी पर 80, 3 से 4 घण्टे की समय दूरी पर 79 तथा 4 से अधिक घण्टे की समय दूरी पर 75 विपणन केन्द्र अवस्थित हैं। अध्ययन क्षेत्र के विपणन केन्द्रों की गम्यता का मापन उनकी अन्य केन्द्रों से सीधी पहुँच के आधार पर भी किया गया है। इसके लिए ग्राफ थ्योरेटिक विधि 'एसोसिएटिड नम्बर' (Ai) का आगणन किया गया है जो दर्शाता है कि अध्ययन क्षेत्रों में विभिन्न विपणन केन्द्रों के मध्य प्रत्यक्ष तथा अतिरिक्त मार्गों का अभाव है।

REFERENCES

1-Chorley, R.J.& P.Haggett, (ed) 1967 : Network models in geography. Methuen, London.
2- Garrison, W.L. 1960 : Connectivity of the inter-state highway system. Regional Science Association, 6, pp. 121-37
3- Hammond, R. & P.S. McGullagh 1974: Quantitative techniques in geography- an introduction. Oxford Clarendon Press, p. 43.
4- Lowe, J. C. & Moryadas 1975 : The geography of movement. Honghton, Mifflin Co. Boston, p. 2-3.
5- Morrill, R.L. 1974 : The spatial organization of society. Massachusetts, Duxbury Press, p. 257.
6- Smith, D.M. 1977: Patterns in human geography. Penguin Books, p. 15..
7-Town Directory C. D.2001 : Uttar Pradesh, Directorate of Census Operations, Uttar Pradesh (Data Dissemination Unit), Lekhraj Dollar Building, Indira Nagar, Lucknow
8- Primary Census Abstract 2001: Uttar Pradesh, Series-10, Volume-1
9- Marksman Publication 2015: Buddha Plaza, Patna, Bihar Code No.127/15 P.26 &28